सत्यमेव जयते

# प्रधान मंत्री
# Prime Minister
## संदेश

मुझे बहुत खुशी है कि आज इस संदेश के जरिए मुझे देश भर में कौशल विकास के विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राओं से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित यह साझा कौशल दीक्षांत समारोह अपनी तरह का एक विशेष आयोजन है। आईटीआई, एनएसटीआई, आईटीओटी समेत विभिन्न संस्थानों के जो विद्यार्थी, युवा शक्ति के इस उत्सव में हमारे साथ जुड़े हैं, उन सभी को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आज के इस दीक्षांत समारोह का एक बहुत ही विशेष महत्व है। यह केवल आप सभी की दीक्षा पूरी होने का आयोजन भर नहीं है, बल्कि आज से आपके जीवन के एक स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत हो रही है। आप में वो कौशल है, वो हुनर है जो देश के विकास को नई गति प्रदान कर सकता है, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। आज से आप उस रास्ते पर आगे कदम बढ़ाने जा रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में आपके बहुमूल्य योगदान को सुनिश्चित करेगा।

आप जैसे युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और आपका कौशल ही आपके सामर्थ्य को पूरी तरह से सामने लाने का सबसे बड़ा माध्यम है। भारतीय युवाओं के स्किल और स्केल के कारण आज विश्व के बड़े बड़े देश हमें मानव संसाधन के एक बड़े केंद्र के रूप में देख रहे हैं। ग्लोबल जॉब मार्केट में भारत अपने इन प्रतिभाशाली और प्रशिक्षित युवाओं के जरिए कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, इसका अंदाजा आज दुनिया भर को है।

देश की नीतियों के केन्द्र में हमारी युवा शक्ति और उनका उज्ज्वल भविष्य है। तेजी से बदलती तकनीक के इस दौर में दुनियाभर में बन रहे अवसरों को देखते हुए हम अपने युवाओं को वैश्विक स्तर का कौशल प्रशिक्षण दे रहे हैं। विभिन्न देशों, वैश्विक संगठनों और कंपनियों के साथ हम भागीदारी कर रहे हैं, जिससे दुनिया के कार्यबल में हमारे युवाओं को अधिक से अधिक अवसर मिल सके।

कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं के अलावा हमने युवाओं को भविष्योन्मुखी प्रशिक्षण देने और उनके हुनर को निखारने के लिए इंटर्नशिप के दौरान आर्थिक सहायता देने की भी शुरुआत की है। इससे युवाओं को नया अनुभव मिलेगा और उनके लिए नए अवसरों की राह भी आसान होगी। मुझे खुशी है कि अनेक कंपनियां इस अभियान में जुड़कर, युवाओं को इंटर्नशिप में मदद करने के लिए आगे आ रही हैं।



कौशल विकास के लिए जरूरी है कि स्किल का व्यापक दृष्टिकोण हो। हमेशा प्रासंगिक बने रहने के लिए स्किल, री-स्किल और अप-स्किल पर विशेष बल देना आवश्यक है। इस दिशा में आईटीआई और एनएसटीआई जैसे संस्थान हमारी तकनीकी शिक्षा का आधार हैं और उन्हें अपग्रेड करने के लिए हमने कई कदम उठाए हैं।

देशवासियों के परिश्रम और हमारी युवा शक्ति की प्रतिभा ने भारत को दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है और अब हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस अमृत काल में हमारे युवा, कौशल विकास के माध्यम से सशक्त होकर राष्ट्र की प्रगति में बहुमूल्य योगदान देंगे।

आज इस दीक्षांत समारोह में सम्मानित किए जाने वाले विद्यार्थियों और ऐसे युवा जो देश के अलग-अलग हिस्सों में कौशल विकास प्रशिक्षण की उपाधि ग्रहण कर रहे हैं, उन सभी को मैं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं। आपको जीवन के हर कदम पर सफलता मिले और अपने प्रयासों से आप अपने परिवार और देश का नाम रोशन करें।

साथ ही इन संस्थानों के ऐसे छात्र-छात्राएं जो अभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें भी बधाई देना चाहता हूं और यह आग्रह करना चाहता हूं कि आप अपने सीनियर्स से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ें। आप सभी को एक बार फिर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं और हृदय से धन्यवाद।

**(नरेन्द्र मोदी)**

नई दिल्ली
03 कार्तिक, शक संवत् 1946
25 अक्टूबर, 2024